<u>सीएमडी, इरेडा ने सार्क देशों के प्रतिभागियों के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया</u>

इरेडा सभी के लिए किफायती, विश्वसनीय और हरित ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, 12 जुलाई 2021

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास, ने आज सेंटर फॉर इंटरनेशनल कॉपरेशन एंड ट्रेनिंग इन एग्रीकल्चर बैंकिंग (सीआईसीटीएबी) और वी.एम.नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट (वीएएमएन आईसीओएम) द्वारा 12 से 14 जुलाई 2021 तक आयोजित "सहकारिता के लिए अक्षय ऊर्जा प्रबंधन" पर एक अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्घाटन किया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अक्षय ऊर्जा के प्रबंधन पर दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ (एसएएआरसी) के सभी प्रतिष्ठित देशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री दास ने महत्वपूर्ण भाषण देते हुए दोहराया कि इरेडा प्रत्येक राज्य में कम से कम एक शहर के पूर्ण सौरीकरण के माननीय प्रधान मंत्री के विजन को आगे बढ़ाने और "एक सूर्य, एक विश्व और एक ग्रिड" योजना में सहभागिता लेने के लिए प्रतिबद्ध है । अक्षय ऊर्जा सहकारी समितियों

को आगे बढ़ाने और अन्नदाता को भी ऊर्जादाता बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल के रूप में, भारत सरकार ने किसान को विश्वसनीय गुणवत्ता और सस्ती बिजली उपलब्धता बढ़ाने के लिए मार्च 2019 के दौरान पीएम-कुसुम योजना शुरू की है। सरकार ने प्रत्येक किसानों, किसानों के समूह, सहकारी समितियों, पंचायतों, किसान उत्पादक संगठनों और जल उपयोगकर्ता संघों द्वारा बंजर भूमि पर 10 गीगावाट की विकेंद्रीकृत ग्रिड से जुड़े अक्षय ऊर्जा बिजली संयंत्रों का लक्ष्य रखा है।

जीवाश्म ईंधन के उपयोग के प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में सार्क देशों के योगदान को रेखांकित करते हुए, सीएमडी, इरेडा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रत्येक सार्क सदस्य देश में स्थानीय आवश्यकताओं को संतोषजनक रूप से पूरा करने के लिए स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक यूनिक संस्थागत संरचना है। अफगानिस्तान, मालदीव और श्रीलंका में सौर ऊर्जा विकसित करने की अधिकतम संभावना है जबकि नेपाल और भूटान समृद्ध जल संसाधनों से संपन्न हैं। इसके अलावा, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश बड़े देश होने के कारण सौर, पवन और पनबिजली के अधिक संतुलित अक्षय ऊर्जा मिश्रण का लक्ष्य रख सकते हैं।

इरेडा के अभूतपूर्व विकास के बारे में बोलते हुए, सीएमडी ने रेखांकित किया कि समर्थित अक्षय ऊर्जा क्षमता वृद्धि के मामले में इरेडा ने मेगावाट से गीगावाट तक लक्ष्य रखा । इरेडा ने आज की तारीख में भारत में 2900 से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तपोषित किया है, जिसमें 63,837 करोड़ रुपये का संचयी ऋण संवितरण किया गया है और भारत में 17,872 मेगावाट की हरित बिजली क्षमता वृद्धि और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में आरई द्वारा रोजगार सृजन करने में सपोर्ट किया है।

इरेडा ने वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 570 करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक कर पूर्व वार्षिक लाभ (पीबीटी) अर्जित किया है जबकि यह वर्ष कोविड-19 महामारी से बुरी तरह प्रभावित था। 8827 करोड़ रुपये का ऋण संवितरण करना कंपनी के इतिहास में दूसरा सबसे अधिक ऋण संवितरण है। श्री दास ने इस बात पर भी जोर दिया कि, वाणिज्यिक बैंकों के विपरीत, इरेडा के नेट एनपीए में 22% (वित्तीय वर्ष 2019-20 में 7.18% के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान 5.61%) की तीव्र कमी देखी गई, जो कि गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) के रूप में, इरेडा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है ।

उन्होंने कहा कि 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' सुनिश्चित करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है जिसके परिणामस्वरूप पिछले सात वर्षों के दौरान देश भर में अक्षय ऊर्जा में 5.2 लाख करोड़ रुपये (लगभग) निवेश हुआ है । हम भारत का अंतिम लक्ष्य सभी के लिए सस्ती, विश्वसनीय, सतत और हरित ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने का अनुसरण कर रहे हैं और इसके लिए नागरिकों के हित को ध्यान में रख रहे हैं । अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भारत को आरई क्षेत्र में वैश्विक लीडर बनाने की दिशा में भारत की एक प्रमुख पहल है । आईएसए पहला अंतर्राष्ट्रीय निकाय है जिसका मुख्यालय भारत के गुरुग्राम में स्थित है।

महत्वपूर्ण भाषण को समाप्त करते हुए, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन की कामना की और पुष्टि की कि इरेडा अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक मातृत्व संगठन की भूमिका निरंतर निभाता रहेगा।